epaper
हिन्दुस्तान

ड्रोन महोत्सव शुरू, पीएम बोले-इसका हब बनेगा भारत

रोजगार भी देगी ड्रोन की तकनीक: मोदी

नई दिल्ली के प्रगति मैदान में प्रधानमंत्री मोदी ने खुद भी ड्रोन उड़ाकर देखा। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और जनरल वीके सिंह भी मौजूद थे। • प्रेट्र

28/05/2022

नई दिल्ली, विशेष संवाददाता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को दिल्ली के प्रगति मैदान में 'भारत ड्रोन महोत्सव' का आगाज किया। उन्होंने कहा,आने वाले दिनों में कृषि, स्वास्थ्य, खेल और सुरक्षा जैसे तमाम मोर्चों पर ड्रोन का इस्तेमाल बढ़ने जा रहा है। इस क्षेत्र में रोजगार की अपार संभावनाएं हैं। जिस तरह का उत्साह देख रहा हूं,भारत में 2030 तक ड्रोन हब बनने की क्षमता है। हम दुनिया का नेतृत्व कर सकते हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा, आज मैं ड्रोन इंजीनियर,स्टार्टअप और दुनियाभर की बड़ी कंपनियों के प्रतिनिधियों से मिला। उनका उत्साह इस उभरते क्षेत्र में रोजगार की संभावनाओं का संकेत देता है। ये मेक इन इंडिया है, नया भारत है। ड्रोन के रूप में हमारे पास ऐसा स्मार्ट टूल आ गया है, जो जल्द सामान्य से सामान्य भारतीय के जीवन का हिस्सा बनने जा रहा है। बता दें कि सरकार ने तीन साल में इस क्षेत्र में पांच लाख रोजगार के मौके पैदा होने की उम्मीद जताई है। मोदी ने कहा,पहले की सरकारों ने तकनीक को समस्या का हिस्सा समझा, उसे गरीब विरोधी साबित करने की कोशिशें हुईं। इसका सबसे ज्यादा असर गरीबों, वंचितों और मध्यम वर्ग पर पड़ा। हमने ड्रोन समेत दूसरी तकनीक का इस्तेमाल कर सेवाओं को देश के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का काम किया है।

किराये पर मिलेंगे

भारत प्रणेता बना:सिंधिया

• नागर विमानन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा, कभी भारत प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में दूसरों का अनुसरण करने वाला देश हुआ करता था लेकिन आज यह प्रणेता बन गया है। प्रौद्योगिकी तभी सफल होगी जब इसका इस्तेमाल वंचितों और गरीबों के लिए होगा।

अनुभव साझा किए

मोदी ने अपना अनुभव साझा करते हुए कहा, केदारनाथ के पुनर्निर्माण का काम शुरू हुआ था, तो हर बार मेरे लिए वहां जाना संभव नहीं था। मैं ड्रोन से वहां के काम का निरीक्षण करता था। मेरा सपना है कि प्रत्येक व्यक्ति के हाथ में स्मार्ट फोन हो, प्रत्येक खेत में एक ड्रोन हो।

ड्रोन तकनीक से 60 गुना तेजी से काम

• महाराष्ट्र, गुजरात और हरियाणा में ड्रोन से खेतों में दवा का छिड़काव हो रहा, हाथ की बजाए ड्रोन से 40 से 60 गुना तेजी से काम

• ड्रोन की मदद से सेना निगरानी रख रही, जहां सैनिकों का पहुंचना मुश्किल वहां ड्रोन का इस्तेमाल कर पहुंचा जा सकता है